# Cadaver Organ Donor Rameshbhai G. Dhorajiya

## Brain dead man's heart transplanted; organs to save 6 lives

**अंगदान** चक्कर आने से बेहोश हुए रमेश भाई को डॉक्टरों ने किया था ब्रेनडेड घोषित, परिजनों ने लिया हृदय, किडनी, लीवर, आंखें दान करने का फैसला

# सूरत के रमेश भाई का हृदय धड़केगा मुंबई के मोइनुद्दीन में

सिटी रिपोर्टर | सूरत

हृदय दिवस के दिन सूरत निवासी ब्रेनडेड रमेश का हृदय मुंबई के रहने वाले मोइनुद्दीन को लगाया गया। सूरत के निजी हॉस्पिटल से 269 किमी की दूरी 107 मिनट में तय करके हृदय को मुंबई के ग्लोबल हॉस्पिटल पहुंचाया गया। सूरत के वराछा रोड स्थित गांव निवासी 53 वर्षीय रमेश भाई गोबर भाई धोराजिया कतारगाम स्थित मरघुन डायमंड फैक्ट्री में सुपरवाइजर थे। मंगलवार, 26 सितंबर को दोपहर 11 बजे बाथरूम गए थे, वहीं उन्हें चक्कर आया और वह बेहोश हो गए। इलाज के लिए उन्हें निजी हॉस्पिटल ले जाया गया। सिटी स्कैन करने के बाद न्यूरो सर्जन डॉक्टर भौमिक ठाकुर ने बताया कि उन्हें ब्रेन हैमरेज हो गया है। दो दिन बाद 28 सितंबर को डॉक्टर भौमिक ठाकुर और न्यूरो फिजिशियन डॉक्टर कुनाल नाथ ने रमेश भाई को ब्रेनडेड घोषित किया।

## 269 किमी की दूरी 107 मिनट में तय कर मुंबई ले जाया गया हृदय, सूरत से अब तक 16 हृदय दान

परिजनों ने बाहें कर से रमेश भाई को अंतिम विदाई दी।

रमेश भाई को ब्रेनडेड घोषित करने के बाद अस्पताल ने डोनेट लाइफ संस्था को इसकी जानकारी दी। संस्था प्रमुख नीलेश मांडलेवाला के सहयोग से रमेश के परिजनों को अंगदान करने के लिए तैयार किया गया। उसके बाद नोटो से अहमदाबाद स्थित आईकेडीआरसी अस्पताल के डॉक्टर प्रांजल मोदी, अहमदाबाद के सिम्स और स्टर्लिंग अस्पताल से भी संपर्क किया गया, लेकिन हृदय लेने वाला कोई मरीज नहीं था इसके बाद रोटो संस्था की मदद से मुंबई के ग्लोबल अस्पताल से संपर्क कर दिल भेजा गया।

**एक महीने से हृदय के इंतजार में थे मोइनुद्दीन**

मुंबई के अंधेरी निवासी 48 वर्षीय मोइनुद्दीन शेख ग्लोबल अस्पताल में थे। दिल के एक्सपर्ट डॉक्टरों के अनुसार मोइनुद्दीन का हृदय मात्र 10 से 15 प्रतिशत ही काम कर रहा था। अस्पताल के कार्डियक सर्जन डॉक्टर अन्वय मूले ने बताया कि 2012 से ही मोइनुद्दीन को दिल की बीमारी थी। एक महीने से ग्लोबल अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। उन्हें हृदय ट्रांसप्लांट की जरूरत थी। रमेश भाई के हृदय से उन्हें नया जीवन मिला है।

**सूरत से ऐसे मुंबई पहुंचा दिल**

1:30 बजे निजी अस्पताल से रवाना
1:50 बजे सूरत एयरपोर्ट पहुंचा
2:05 बजे मुंबई के लिए रवाना
2:56 बजे मुंबई एयरपोर्ट पहुंचा
3:07 बजे ग्लोबल अस्पताल पहुंचा
3:25 बजे ऑपरेशन शुरू

सूरत से अब तक 16 हृदय दान
सूरत से अब तक 16 हृदय दान हो चुके हैं। इसके अलावा 224 किडनी, 83 लीवर, 6 पैंक्रियाज, 156 नेत्र दान भी किए गए हैं। इससे 520 लोगों को नया जीवन मिला है।
किडनी, लीवर, आंख दान भी किया दान
रमेश के हृदय के साथ किडनी, लीवर अहमदाबाद के आईकेडीआरसी अस्पताल को दिया गया, जबकि आंख सूरत के लोक दृष्टि चक्षु बैंक को दान कर दी गईं।

---

**दिन विशेष** रमेशभाई धोराजिया बाथरूम में पड़ने से बेसुध हुए थे

# विश्व हृदय दिन पर सूरत से 16वें हृदय का दान

संवाददाता, सूरत

हृदय रोग की बीमारी के कारण करोड़ों लोगों की मौत होती है। ऐसे में विविध देश और शहर में जागरूकता लाने का प्रयास के बीच सूरत शहर विश्व हृदय दिन पाटीदार समाज के अधेड़ का हृदय मुंबई के अंधेरी में रहने वाले एक व्यक्ति में ट्रांसप्लान्ट करके शहर में 16 वां हृदय दान के साक्षी बने है। मूल अमरेली जिले के लिलिया तहसील के हरिपर गांव निवासी रमेशभाई गोबरभाई धोराजिया (53) सूरत में जन्मभूमि टाउनशिप, सीमाडा गांव में दो पुत्रों सहित परिवार के साथ रहते थे। इस दौरान 26 को सुबह बाथरूम में चक्कर आने से गिर गए थे। बेसुध हालत में उन्हें

निजी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती करवाया गया। जहां 28 को चिकित्सक ने उन्हें ब्रेनडेड घोषित किया था। अस्पताल के डॉक्टर ने डोनेट लाइफ को सूचित करने पर संस्था की टीम आकर रमेशभाई के परिवारजनों को अंगदान के बारे में समझाया। जिससे परिवार भी राजी होकर हृदय, किडनी, लीवर और चक्षुओं का दान किया गया।

दान में मिले हृदय अंधेरी, मुंबई में रहने और टैक्सी चालक के तौर पर काम करने वाले मोइनुद्दीन शेख (48) में ट्रान्सप्लान्ट किया गया। वहीं देर रात्रि लीवर, किडनी ट्रान्सप्लान्ट के लिए अहमदाबाद अस्पताल में रवाना किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि सूरत से गत 22 माह में हृदय ट्रान्सफर और ट्रान्सप्लान्ट करने का सोलहवीं घटना है। जिनमें 12 हृदय मुंबई, 1 हृदय नेवई, दो हृदय अहमदाबाद और 1 हृदय इंदौर भेजे गए है।

# सूरत के रत्नकलाकार का दिल मुंबई के टैक्सी ड्राईवर में ट्रान्सप्लान्ट

लोकतेज संवाददाता

सूरत। विश्व हृदय दिवस के अवसर पर शहर के सोनाडा गाम व्रजभूमि टाउनशिप में रहनेवाले ब्रेनडेड पाटीदार युवा का हृदय मुंबई के टेक्सी चालक में ट्रान्सप्लान्ट किया गया। कतारगाम स्थित सनराईज डायमंड में रत्नकलाकार के तौर पर काम करनेवाले 53 वर्षीय रमेशभाई गोवरभाई धोराजिया को 26 सितंबर को फेक्ट्री में लघुशंका के लिए गए थे तभी अचानक चक्कर और उल्टी आयी।

उन्हें चिकित्सा के लिए किरण अस्पताल में भर्ती किया गया। जांच के दौरान ब्रेन हेमरेज होने का पता चला। न्युरोफिजिशियन की जांच के बाद रमेशभाई को ब्रेन डेड घोषित किया जिससे परिवार के सदस्यों को अंगदान की जानकारी दी गयी। परिवार के सदस्यों की मंजूरी से डोनेट लाईफ संस्था ने सूरत के किरण अस्पताल से 269 किलोमीटर दूर मुंबई के ग्लोबल अस्पताल में 107 मिनट के दौरान हार्ट पहुंचाया। मुंबई अंधेरी के निवासी तथा टैक्सी चालक मोहनुद्दिन शेख उम्र 42 में हार्ट ट्रान्सप्लान्ट किया गया। इसके अलावा किडनी, लीवर, चक्षु एवं आंत का दान देकर 6 लोगों को नया जीवन दिया गया। डोनेट लाईफ संस्था ब्रेन डेड लोगों के परिजनों की अनुमति से सूरत से अब तक 16 हृदयों का सफल ट्रान्सप्लान्ट किया गया।

---

## पाटीदार समाज के ब्रेन डेड व्यक्ति का दिल मुंबई के मरीज में प्रत्यारोपित..

# वर्ल्ड हार्ट डे पर सूरत से 16वां हृदय दान

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

सूरत. वर्ल्ड हार्ट डे पर शुक्रवार को सूरत से सोलहवां हृदय दान किया गया। इसे मुम्बई के ग्लोबल अस्पताल में पांच साल से हार्ट की बीमारी से पीड़ित मरीज में ट्रांसप्लांट किया गया। सूरत से मुम्बई की 269 किमी की दूरी दिल ने ग्रीन कॉरिडोर के जरिए सिर्फ 107 मिनट में तय की।

वराछा सिमाडा गांव में व्रजभूमि टाउनशिप सेक्टर-2 निवासी रमेश गोबर धोराजिया (53) कतारगाम सनराइज डायमंड फैक्ट्री में कार्य करता था। 26 सितम्बर की सुबह लघुशंका के दौरान वह चक्कर आने से गिर पड़ा। उसे नजदीक के किरण अस्पताल ले जाया गया। सीटी स्कैन में ब्रेन हैमरेज की पुष्टि हुई। न्यूरो सर्जन डॉ. भौमिक ठाकोर और न्यूरो फिजिशियन डॉ. कुणाल नाथ ने 28 सितम्बर को उसे ब्रेन डेड घोषित कर दिया। डोनेट लाइफ प्रमुख नीलेश मांडलेवाला ने रमेश के पुत्र पुर्विक, रवि, भाई हिम्मत, कालू, नरेश तथा परिवार के अन्य सदस्यों को अंगदान की जानकारी दी। सहमति मिलने पर आईकेडीआरसी की टीम को किडनी और लीवर का दान स्वीकारने के लिए सूरत बुला लिया गया। हृदय दान के लिए अहमदाबाद के सिम्स और स्टर्लिंग अस्पताल से सम्पर्क किया गया, लेकिन वहां कोई मरीज नहीं होने के कारण आरओटीटीओ की डॉ. सुजाता पटवर्धन से सम्पर्क किया गया। उन्होंने मुम्बई के ग्लोबल अस्पताल में हृदय दान के लिए कहा। ग्लोबल अस्पताल के डॉ. अन्वय मुले सूरत पहुंचे और हृदय दान स्वीकार किया। चक्षुओं का दान लोकदृष्टि चक्षुबैंक के डॉ. प्रफुल शिरोया ने स्वीकार किया। हृदय का ट्रांसप्लांट मुम्बई अंधेरी निवासी मोहनुद्दीन शेख (42) में किया गया। वह ड्राइवर है और वर्ष 2012 से उसे हृदय की तकलीफ थी।

### 22 महीने में 16 हृदय दान

अब तक डोनेट लाइफ ने 224 किडनी, 89 लीवर, छह पैन्क्रियाज, 16 हृदय, 188 चक्षुओं के दान से 520 जनों को नया जीवन दिया है। पिछले 22 महीने में सूरत से 16 हृदय दान किए गए। इनमें बारह हृदय मुम्बई, एक चैन्नई, दो अहमदाबाद और एक इंदौर भेजा गया था।

### दिल का सफर

**दोपहर 1.30 बजे :** चिकित्सकों की टीम किरण अस्पताल से हृदय दान स्वीकार कर एयरपोर्ट रवाना हुई।

**दोपहर 1.50 बजे :** चिकित्सकों की टीम सूरत एयरपोर्ट पहुंची।

**दोपहर 2.05 बजे :** सूरत एयरपोर्ट से चार्टर प्लेन में डॉक्टर हृदय लेकर मुम्बई रवाना।

**दोपहर 2.58 बजे :** टीम मुम्बई एयरपोर्ट पहुंची।

**दोपहर 3.07 बजे :** टीम मुम्बई एयरपोर्ट से ग्लोबल अस्पताल रवाना।

**दोपहर 3.25 बजे :** चिकित्सकों की टीम ने मोहनुद्दीन में हार्ट ट्रांसप्लांट शुरू किया।

### 6 વ્યક્તિઓને નવજીવન આપી માનવતા મહેંકાવી

# સુરતના પાટીદારનું હૃદય મુંબઈના મુસ્લિમ ટેક્સી ડ્રાઈવરમાં ધબકવા માંડ્યું

હેલ્થરિપોર્ટર | સુરત

વર્લ્ડ હાર્ટ ડે ના દિવસે કતારગામના બ્રેન ડેડ પાટીદાર રત્નકલાકાર રમેશભાઈ ધોરાજીયાના હૃદય, કિડની, લિવર અને ચક્ષુઓનું દાન કરીને 6 વ્યક્તિઓને નવજીવન આપી તેમના પરિવારે માનવતા મહેંકાવી હતી. સુરતથી 269 કિ.મી.નું અંતર 107 મિનિટમાં કાપીને તેમના હૃદયનું ટ્રાન્સફર અને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અંધેરી મુંબઈના ટેક્સી-ડ્રાઈવરમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયુ હતું.

વરાછા રોડ સીમાડાગામ વ્રજભૂમિ ટાઉનશિપ ખાતે રહેતા રમેશભાઈ ગોબરભાઈ ધોરાજીયા કતારગામ ખાતે આવેલી ફેક્ટરીમાં રત્નકલાકાર તરીકે નોકરી કરતા હતા. ગઈ તા. 26 સપ્ટેમ્બરના રોજ રમેશભાઈ ફેક્ટરીમાં કામ કરતી વખતે બાથરૂમમાં ગયા હતા. જ્યા તેમને ચક્કર આવ્યા બાદ બેભાન થઈ ગયા હતા. જેથી તેમને તાત્કાલિક કતારગામ કિરણ હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયા હતા. જ્યા તેમને બ્રેન હેમરેજનું નિદાન થયું હતું. તા.28 સપ્ટેમ્બરે તેમને તબીબે બ્રેનડેડ જાહેર કર્યા હતા. હોસ્પિટલના ડો.સ્નેહલ ડુંગરાણીએ ડોનેટ લાઈફના પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાનો સંપર્ક કરી રમેશભાઈ બ્રેનડેડ થયાની માહિતી આપી હતી. પરિવારજનો ઓર્ગન ડોનેશન માટે તૈયાર થતા મુંબઈની હોસ્પિટલના ડો.અમઝદ શેખ અને તેમની ટીમે સુરત આવી હૃદયનું દાન સ્વીકાર્યું હતું અને ગ્રીન કોરિડોરની મદદથી સુરતથી 269 કિ.મી.નું અંતર 107 મિનિટમાં કાપીને મુંબઈના ટેક્સી-ડ્રાઈવર મોઈનુદ્દીન શેખમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું.

### ઘટનાક્રમ

- બપોરે 1:30 કલાકે હૃદયનું દાન સ્વીકારી ગ્લોબલ હોસ્પિટલની ટીમ એરપોર્ટ જવા રવાના
- બપોરે 1:50 સુરત એરપોર્ટ પહોંચ્યા
- બપોરે 2:05 સુરત એરપોર્ટથી ચાર્ટર ફ્લાઈટમાં મુંબઈ રવાના
- બપોરે 2:58 ગ્લોબલ હોસ્પિટલની ટીમ મુંબઈ એરપોર્ટ પહોંચી
- બપોરે 3:07 ટીમ મુંબઈ એરપોર્ટથી ગ્લોબલ હોસ્પિટલ જવા રવાના
- બપોરે 3:25 ગ્લોબલ હોસ્પિટલમાં ઓપરેશન થિયેટરમાં દાખલ થયા અને અને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

**ડોનેટ** પાટીદાર આધેડનું હૃદય કરાયું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ

# વિશ્વ હૃદય દિને સુરતમાંથી ૧૬મા હૃદયનું દાન

**રમેશભાઈ ધોરાજીયા બાથરૂમમાં પડી જતાં બેભાન થયાં હતાં**

સુરત.તા.૨૯

હૃદય રોગની બીમારીઓને કારણે કરોડો લોકો મોતને ભેટે છે ત્યારે વિવિધ દેશો અને શહેરમાં જાગૃતિ લાવવાના પ્રયાસો વચ્ચે સુરત શહેર વિશ્વ હૃદય દિવસે પાટીદાર સમાજના આધેડનું હૃદય મુંબઈના અંધેરી ખાતે રહેતા એક વ્યક્તિમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરીને શહેરમાં ૧૬મા હૃદયદાનનું સાક્ષી બન્યું છે.

મૂળ અમરેલી જિલ્લાના બીલીયા તાલુકાના હરીપર ગામના વતની રમેશભાઈ ગોબરભાઈ ધોરાજીયા(ઉ.વ.૫૭) સુરતના વ્રજભૂમિ ટાઉનશીપ, સીમાડાગામ ખાતે પુત્રો સહિતના પરિવાર સાથે રહેતાં હતાં. દરમિયાન ૨૯મીએ સવારે બાથરૂમમાં ચક્કર આવતાં પડી ગયાં હતાં. બેભાનાવસ્થામાં સારવાર માટે ખાનગી હોસ્પિટલમાં લઈ જવાયા હતા. જ્યાં ૨૮મીએ ફરજ પરના તબીબે તેમને બ્રેનડેડ જાહેર કર્યા હતા. હોસ્પિટલના તબીબે ડોનેટ લાઈફને જાણ કરતાં સંસ્થાની ટીમે આવી રમેશભાઈના પરિજનોને અંગદાન માટે સમજાવતાં પરિવારની સહમતિથી હૃદય, કિડની, લિવર અને ચક્ષુઓનું દાન કરવામાં આવ્યું હતું.

દાનમાં મળેલું હૃદય અંધેરી, મુંબઈમાં રહેતાં અને ટેક્ષી ડ્રાઈવર તરીકે કામ કરતાં મોઈનુદ્દીન શેખ(ઉ.વ.૪૨)માં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું. જ્યારે મોડી રાત્રે લિવર, કિડની ટ્રાન્સપ્લાન્ટ માટે અમદાવાદ હોસ્પિટલમાં રવાના કરવામાં આવશે.

અત્રે નોંધનીય છે કે, સુરત ખાતેથી છેલ્લાં ૨૨ મહિનામાં સુરતમાંથી હૃદય ટ્રાન્સફર અને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવાનો આ સોળમો બનાવ છે. જેમાંથી ૧૨ હૃદય મુંબઈ, ૧ હૃદય ચેન્નાઈ, બે હૃદય અમદાવાદ અને ૧ હૃદય ઈન્દોર મોકલવામાં આવ્યું છે.

---

## 'વર્લ્ડ હાર્ટ ડે' નાં દિવસે

# સુરતનાં આધેડના હૃદયદાનથી અંધેરીના આધેડનાં જીવનમાં અજવાળાનો ઉદય

(પ્રતિનિધિ દ્વારા) સુરત, શુક્રવાર

શુક્રવારે વર્લ્ડ હાર્ટ ડે ના રોજ સુરતનાં વૃદ્ધનાં હૃદયદાનથી મુંબઈના યુવાનને નવી જીંદગી મળી હતી. તેમના અન્ય અંગદાનથી ૬ વ્યક્તિઓને નવજીવન મળ્યું છે.

## રત્નકલાકાર રમેશભાઈ ગોબરભાઈ ધોરાજીયાનાં અંગદાનથી ૬ ને નવજીવન મળ્યું : સુરતમાંથી અત્યાર સુધીમાં ૧૬ હૃદયદાન

મૂળ અમરેલીના મોટાલીલીયા હરીપરના વતની અને હાલ વરાછા રોડ સીમાડા ગામ ખાતે વ્રજભૂમિ ટાઉનશીપમાં રહેતા રત્નકલાકાર રમેશભાઈ ગોબરભાઈ ધોરાજીયા ગઈ તા. ૨૯ મીને કતારગામમાં હીરાના કારખાનામાં કામ કરતા હતા. ત્યારે લઘુશંકા માટે બાથરૂમમાં ગયા અને ત્યાં ચક્કર અને ઉલટી બાદ તે બેભાન થઈ ગયા હતા. ગઈકાલે ખાનગી હોસ્પિટલના તબીબે તેમને બ્રેનડેડ જાહેર કર્યા બાદ ડોનેટ લાઈફ સંસ્થા દ્વારા તેમના પરિવારે અંગદાન અંગે સમજાવતા તેઓ સંમત થયા હતા.

ત્યારબાદ અમદાવાદની હોસ્પિટલના તબીબો સુરત આવી કિડની, લીવર દાનનું સ્વીકાર્યું. બાદ ચક્ષુદાન લોકદ્રષ્ટિ બેન્કે સ્વીકાર્યું હતું. જ્યારે તેમનું હૃદય મુંબઈની હોસ્પિટલના તબીબે સુરત આવીને સ્વીકાર્યું હતું. સુરતની હોસ્પિટલથી મુંબઈની હોસ્પિટલ સુધી ૨૯૯ કિ.મી. અંતર ૧૦૭ મીનીટમાં કાપીને દાનમાં મેળવવામાં આવેલા હૃદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ મુંબઈના અંધેરીમાં રહેતા મોઈનુદીન શેખ (ઉ.વ.૪૨) માં કરવામાં આવ્યું હતું. સુરત અને દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી અત્યાર સુધી બ્રેનડેડ વ્યક્તિઓની પરિવારજનો સાથે સમજ આપીને ડોનેટ લાઈફ દ્વારા ૨૨૪ કિડની, ૮૯ લીવર, ૬ પેન્ક્રીઆસ, ૧૬ હૃદય અને ૧૮૮ ચક્ષુઓનું દાન મેળવી ૫૨૦ વ્યક્તિઓને નવું જીવન અને નવી રોશની આપી છે.

# સુરતનાં બ્રેઈનડેડ આધેડનું હૃદય અંધેરીનાં મુસ્લિમ યુવકમાં ધબકશે

સુરત, તા.૨૯

વરાછા રોડનાં આધેડ બાથરૂમમાં પડી ગયા બાદ બ્રેઈનડેડ થયાં હતાં. તેમનાં હૃદયનું દાન મુંબઈનાં ટેક્ષી ડ્રાઈવર મુસ્લિમ યુવકને કર્યા હતો. આ સાથે ડોનેટ લાઈફ સંસ્થાનાં માધ્યમથી સુરતમાંથી ૧૬મા હૃદયનું દાન પ્રાપ્ત થયું હતું.

મુળ અમરેલી જિલ્લાના મોટા લીલીયા તાલુકાના હરીપર ગામના અને કતારગામમાં આવેલ સનરાઈઝ ડાયમંડ ફેક્ટરીમાં રત્ન કલાકાર તરીકે કામ કરતા રમેશભાઈ ગોબરભાઈ ધોરાજિયા (ઉ. વ. ૫૩) એ-૪, ૧૦૪, વ્રજભૂમિ ટાઉનશીપ સેક્ટર-૨, સીમાડાગામ, વરાછા રોડ ખાતે પત્ની કૈલાશબેન, પુત્ર રવિ (ઉ.વ. ૨૩, વરાછામાં આવેલ વાઈટ ઓરેન્જ સોફ્ટવેર કંપનીમાં મોબાઈલ ડેવલોપર) અને પુર્વિક (ઉ. વ. ૨૫, અડાજણમાં આવેલ નારોલા ઈન્ફોટેકમાં સોફ્ટવેર એન્જિનીયર) સાથે રહેતા હતા. રમેશભાઈ બ્રેઈન ડેડ થતા તેમના પરિવારે અંગદાન કરી માનવતા મહેકાવી હતી.

આ અંગેની મળતી વગતો અનુસાર ૨૬ સપ્ટેમ્બરે રમેશભાઈ કતારગામમાં આવેલ સનરાઈઝ ડાયમંડની ફેક્ટરીમાં કામ કરી રહ્યા હતા, ત્યારે સવારે ૧૧:૦૦ કલાકે બાથરૂમ ગયા બાદ ચક્કર અને ઉલ્ટી થતા બેભાન થઈ ગયા હતા. તેમને તાત્કાલિક કિરણ હોસ્પીટલમાં લઈ જવાતા નિદાન માટે સિટી સ્કેન કરાતા બ્રેઈન હેમરેજ હોવાનું નિદાન થયું હતું. ૨૮મીએ તેમને બ્રેઈન ડેડ જાહેર કરાયા હતા.

રમેશભાઈની કિડની અને લિવરનું દાન સ્વીકારી અમદાવાદની [illegible] (ત્રાક્ષ)ના ડૉ. વિકાસ પટેલ અને તેમની ટીમે હૃદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અંધેરી મુંબઈના રહેવાસી મોઈનુંદીન શેખ ઉ.વ. ૪૨માં ચીફ કાર્ડિયાક સર્જન ડૉ. હમદુલે અને તેમની ટીમ દ્વારા કરવામાં આવ્યું છે. ટેક્ષી ડ્રાઈવર તરીકે કામ કરતા મોઈનુદીન શેખ ૨૦૧૨થી હૃદયની તકલીફથી પીડાતા હતા. તેમને શ્વાસ લેવામાં ખુબ તકલીફ પડતી હતી તથા તેમને ચાલવામાં પણ તકલીફ પડતી હતી. તેના હૃદયની કાર્યક્ષમતા ૧૦% થી ૧૫% જેટલી હતી. છેલ્લા એક મહિનાથી ગ્લોબલ હોસ્પિટલમાં તેમનું ફોલોઅપ ચાલી રહ્યું હતું. છેલ્લા બે દિવસથી તેઓ હોસ્પીટલમાં દાખલ હતા

સુરત અને દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી અત્યાર સુધી બ્રેનડેડ વ્યક્તિઓના પરિવારજનો સાથે સમજણ કેળવી નીલેશ માંડલેવાલા અને ડોનેટ લાઈફ દ્વારા ૨૨૪ કિડની, ૮૯ લીવર, ૬ પેન્ક્રીઆસ, ૧૬ હૃદય અને ૧૮૮ ચક્ષુઓનો દાન મેળવીને ૫૨૦ વ્યક્તિઓને નવું જીવન અને નવી રોશની બક્ષવામાં સફળતા મળી છે.

**રમેશ ધોરાજિયા બાથરૂમમાં પડી ગયાં બાદ બ્રેઈનડેડ થયા હતા : રમેશ ભાઈના કીડની, લીવર અને ચક્ષુનું પણ દાન**

# વિશ્વ હૃદય દિવસે કતારગામના રત્નકલાકાર આધેડનું હૃદય મુંબઈના યુવકમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

સુરતઃ સુરત સહિત સમગ્ર વિશ્વમાં શુક્રવારે વિશ્વ હૃદય દિવસની ઉજવણી કરાઇ છે ત્યારે કતારગામના હીરાના કારખાનામાં બેભાન થયેલા રત્નકલાકારના હૃદય સહિતના અંગોનું દાન પરિવાર દ્વારા કરવામાં આવ્યું હતું. રત્નકલાકારના અંગોના દાનના કારણે નવા છ વ્યક્તિઓના જીવનને નવજીવન મળ્યું છે. રત્નકલાકાર રમેશ પોરાજીયાનું હૃદય સુરતથી મુંબઈનું ૨૬૯ કિ. મીનું અંતર ૧૦૭ મીનીટમાં કાપીને મુંબઈના શ્રમજીવી યુવાનમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું છે.

મૂળ અમરેલી જિલ્લાના મોટા લીલીયા તાલુકાના હરીપરા ગામના વતની અને હાલ સીમાડા ગામ વ્રજભૂમિ ટાઉનશીપમાં રહેતા ૫૩ વર્ષીય રમેશભાઇ ગોબરભાઇ પોરાજીયા હાલ કતારગામમાં આવેલી સનરાઇઝ ડાયમંડમાં રત્નકલાકાર તરીકે નોકરી કરતા હતા. તેઓ ગત મંગળવારે તેઓને ચક્કર અને ઉલ્ટીઓ થઇ હતી અને તેઓ બેભાન થઇ ગયા હતા. રમેશભાઇને કતારગામની કિરણ હોસ્પિટલમાં સારવાર માટે લઇ જવામાં આવ્યા હતા. જ્યાં બ્રેઇનડેડ હેમરેજ થયું હોવાનું જણાવ્યું હતું. સારવાર દરમિયાન રમેશભાઇને બ્રેઇનડેડ જાહેર કરવામાં આવ્યા હતા.

આ દરમિયાન તબીબઓએ ડોનેટ લાઇફના પ્રમુખ નીલેશ માંડલેવાલાને બ્રેઇનડેડ રમેશભાઇના બે પુત્રો સહિતના પરિવારજનોએ અંગદાન માટે બહાલી આપતા ડોનેટ લાઇફ દ્વારા બ્રેઇનડેડ રમેશભાઇના શરીરમાંથી હૃદય, કિડની, લિવર અને બે ચક્ષુઓનું દાન લેવામાં આવ્યું હતું. રમેશ પોરાજીયાનું હૃદય પરિવારજનો દ્વારા દાનમાં આપવામાં આવ્યું હતું. જેથી ડોનેટ લાઇફ દ્વારા નાટોના નેજા હેઠળ મુંબઇની ખાનગી હોસ્પિટલમાં સારવાર લઇ રહેલા ટેક્ષી ડ્રાઇવર મોઇનુદ્દિન શેખમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું. ૨૬૯ કિ. મીનું આ અંતર ૧૦૭ મીનીટમાં કાપીને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું.

# વધુ એક હૃદયદાનઃ સુરતીઓ 16મું હૃદયદાન કરીને 'દિલદાર' સાબિત થયા

» સુરતના રત્નકલાકારનું હૃદય મુંબઈના મુસ્લિમ ડ્રાઈવરને ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

**નવગુજરાત સમય > સુરત**

ઓર્ગન ડોનેશનમાં સુરતવાસીઓએ 16 જેટલા હૃદય દાનમાં આપીને 'દિલદાર' સાબિત થયા છે. સુરતથી વધુ એક બ્રેઈનડેડ દર્દીનું હૃદય દાન કરાયું હતું. તેને ગ્રીન કોરિડોર બનાવીને 269 કિલોમીટર દૂર મુંબઈ માત્ર 109 મિનિટમાં પહોંચાડીને ટેક્સી ડ્રાઈવરને સફળતાપૂર્વક ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું હતું.

ગત મંગળવારે કતારગામમાં 53 વર્ષના રત્નકલાકાર રમેશભાઈ પોરાજીયાને બ્રેઈન સ્ટ્રોક આવ્યો હતો. સારવાર બાદ છેવટે તેમને બ્રેઈનડેડ જાહેર કરાયા હતા. ડોનેટ લાઈફની ટીમે તેમના પરિવારજનોને અંગોનું દાન કરવા સમજાવ્યા હતાં, પરિવાર સંમત થતાં રમેશભાઈની હૃદય, કિડની, આંખો અને લિવરનું દાન આપીને છ વ્યક્તિને નવજીવન આપ્યું હતું. રમેશભાઈના દાન કરાયેલા હૃદયને ગ્રીન કોરિડોર બનાવીને મુંબઈ મોકલાયું હતું. ત્યાં ગ્લોબલ હોસ્પિટલમાં હૃદયનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ અંધેરીના રહેવાસી 42 વર્ષના મોઈનુદ્દીન શેખમાં કરાયું હતું. ડોનેટ લાઈફના નિલેશ માંડલેવાલાનું કહેવું હતું કે, સુરતમાંથી આ 16મું હૃદય દાન થયું છે. આ રીતે અંગદાન કરીને સુરતવાસીઓ સાચા અર્થમાં દિલદાર સાબિત થયા છે.

# સીમાડાના રત્નકલાકારનું હાર્ટ મુંબઈના ટેક્ષી ડ્રાઈવરની જિંદગીની ગાડી દોડાવશે

## વર્લ્ડ 'હાર્ટ ડે'ના દિવસે સુરતના વધુ એક પરિવારની દરિયાદિલી...

» અમરેલીના વતની બ્રેઈનડેડ રત્નકલાકારના હાર્ટ, કિડની, લિવર અને ચક્ષુદાનથી છ જણાને નવજીવન મળ્યું

» સુરતમાંથી ૧૯મા હાર્ટનું દાન, ૧૦૭ મિનિટમાં ૨૯૯ કિમીનું અંતર કાપી મુંબઈમાં હાર્ટ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું

સુરત, તા. ૨૯

વર્લ્ડ 'હાર્ટ ડે'ના દિવસે અમરેલીના બ્રેઈનડેડ રત્નકલાકારના હાર્ટના દાન સાથે સુરતની દરિયાદિલી જોવા મળી હતી. ૧૦૭ મિનિટમાં ૨૯૯ કિમીનું અંતર કાપી મુંબઈના ટેક્ષી ડ્રાઈવરમાં સિમાડાના રત્નકલાકારનું હાર્ટ ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવા સાથે સુરતમાંથી આ ૧૯મા હાર્ટનું દાન કરાયું હતું. બ્રેઈનડેડ રત્નકલાકારના પરિવારે દાખવેલી જાગૃતિને પગલે હાર્ટની સાથે કિડની, લિવર અને ચક્ષુઓનું દાન કરાતા છ જણાને નવજીવન મળ્યું છે.

અમરેલી, મોટા લીલિયાના હરીપરગામના વતની રમેશભાઈ ગોબરભાઈ પોરાજીયા (ઉ.વ.૫૩) પરિવાર સાથે સીમાડાગામમાં આવેલી વ્રજભુમિ ટાઉનશિપમાં રહેતા હતા. કતારગામમાં આવેલી ડાયમંડ ફેક્ટરીમાં રત્નકલાકાર તરીકે નોકરી કરતા રમેશભાઈને ગત તા. ૨૬મીએ ફેક્ટરીમાં ચક્કર આવવા સાથે ઊલટીઓ થઈ હતી. ત્યારબાદ તેમને તાત્કાલિક સારવાર માટે હોસ્પિટલમાં ખસેડાયા હતા. તબીબી સારવાર દરમિયાન તેમને બ્રેઈન હેમરેજ થયાનું નિદાન થયું હતું. ત્યારબાદ ગઈકાલે તબીબી ટીમે તેમને બ્રેઈનડેડ ઘોષિત કર્યા હતા. આ બાબતે હોસ્પિટલમાંથી ડોનેટ લાઈફના સભ્યોને જાણ કરાઈ હતી. ત્યારબાદ પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલા સહિતના સભ્યોએ બ્રેઈનડેડ રમેશભાઈના પરિવારને અંગદાનનું મહત્ત્વ સમજાવ્યું હતું. પરિવાર તેમના અંગોનું દાન કરવા સહમત થતા છ જણાને નવજીવન મળવું શક્ય બન્યું હતું.

### મોઈનુદ્દીનના હાર્ટની કાર્યક્ષમતા ફક્ત ૧૦થી ૧૫ ટકા હતી

ડોનેટ લાઈફના પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાએ જણાવ્યું હતું કે, કિડની અને લિવરનું દાન અમદાવાદની આઈકેઆરડીસીના તબીબોએ સ્વીકાર્યું છે. જ્યારે આંખોનું દાન લોકદ્રષ્ટી ચક્ષુબેંકના ડો. પ્રફુલ શિરોયાએ સ્વીકાર્યું છે. હાર્ટ મુંબઈના ટેક્ષી ડ્રાઈવર મોઈનુદ્દીન શેખમાં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું છે. હાર્ટની બીમારીથી પીડાતા મોઈનુદ્દીનને શ્વાસ લેવામાં તકલીફ હતી. તેના હાર્ટની કાર્યક્ષમતા ૧૦થી ૧૫ ટકા જેટલી હતી. છેલ્લા એક મહિનાથી હોસ્પિટલમાં તેનું ફોલોઅપ ચાલી રહ્યું હતું. છેલ્લા બે દિનથી મોઈનુદ્દીન હોસ્પિટલમાં દાખલ હતો. સુરત અને દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી અત્યાર સુધીમાં બ્રેઈનડેડ વ્યક્તિના પરિવારને સમજણ આપી ૫૨૦ લોકોને નવજીવન અને નવી રોશની આપવામાં આવી છે.